क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 242, गुरुवार, 27 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

फरमान: कॉलेज में स्कर्ट, कैप्री, टी-शर्ट व जींस पहनकर न आएं छात्र-छात्राएं

अमृतसर, हिटी, एजेंसी। अमृतसर सरकारी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने छात्र-छात्राओं पर कॉलेज में जींस टी-शर्ट, कैपरीज, या स्कर्ट्स पहन कर आने पर पाबंदी लगा दी है। यह कोड पहली अक्टूबर से प्रभावी होगा। मंगलवार को कॉलेज के विभिन्न विभागों के लिखित आदेश में प्रधानाचार्य सुजाता शर्मा ने शिक्षकों से आदेश के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और नए नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध सिर्फ क्लास में ही लागू होगा। उन्होंने जींस टी-शर्ट, कैपरीज और स्कर्ट्स को असभ्य ड्रेस बताते हुए कहा कि यह आदेश एमबीबीएस, बीएससी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम के सभी इंटर्न और छात्रों पर लागू होता है। आदेश में कहा गया है कि छात्राएं सूट-सलवार या ट्राउजर-शर्ट पहनकर आएं। वहीं लड़के फॉर्मल ट्राउजर व शर्ट और उस पर सफेद एप्रिन पहनकर अपनी क्लासों व विभागों में आएं। प्रिंसिपल के निजी सहायक अरुण भागी ने कहा कि यह नियम शिक्षकों पर भी लागू होगा। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि हॉस्टल में इन कपड़ों को पहनने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

जीडीए कर्मचारी ने शराब पीकर कार्यालय में किया हंगामा

गाजियाबाद। जीडीए के एक कर्मचारी ने मंगलवार को कार्यालय में शराब पीकर जमकर हंगामा किया। काफी देर तक समझाने के बाद भी जब वह नहीं माना तो कई कर्मचारी उसे पकड़कर जीडीए सचिव के पास ले गए। सचिव ने तत्काल प्रभाव से शराब पीने वाले कर्मचारी को निलंबित कर दिया। साथ ही गार्डों की मदद से उसे परिसर के बाहर कर दिया। जेडीए के विधि अनुभाग में निशांत कुमार नाम का एक चपरासी है। निशांत मंगलवार को शराब पीकर जीडीए दफ्तर पहुंच गया और हंगामा काटने लगा। सहकर्मियों का आरोप है कि निशांत रोजाना दफ्तर में शराब पीकर आता है। समझाने का प्रयास करो तो मारने-पीटने पर उतारू हो जाता है। मंगलवार को भी ऐसा ही हुआ। जब मामला नियंत्रण के बाहर हो गया तो कर्मचारी निशांत को पकड़कर सचिव संतोष कुमार राय के पास ले गए। सचिव को कर्मचारियों ने बताया कि इसके खिलाफ पहले भी शराब पीने के मामले में कार्रवाई हो चुकी है। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय कर्मचारी को निलंबित कर दिया है।

दिल्ली की हवा एक साल में दूसरी बार सबसे साफ, तेज हवा के साथ आई बारिश का असर

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा एक साल में दूसरी बार सबसे साफ हो गई है। तेज हवा के साथ आई बारिश ने प्रदूषण के स्तर को निचले स्तर पर ला दिया है।मंगलवार को हवा में प्रदूषक कण पीएम-10 का स्तर सुबह 10 बजे 33.9 था। इससे पहले जुलाई में एक बार पीएम-10 के स्तर में इतनी गिरावट आई थी। वर्ष के अधिकांश महीनों में दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा होता है कि सांस लेना तक दूभर हो जाता है। जाड़े में अक्सर स्वास्थ्य आपातकाल जैसे हालात बनने लगते हैं। इसे देखते हुए फ्लिहाल दिल्ली की हवा किसी सौगात से कम नहीं है।

इस वर्ष केवल दो बार इतना नीचे स्तर पहुंचा

सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) की वेबसाइट के मुताबिक, इस साल 27 और 28 जुलाई को पीएम-10 कणों का स्तर 40 से नीचे पहुंचा था। खासतौर पर 27 जुलाई की रात 9:30 बजे पीएम-10 की मात्रा 30.9 तक पहुंच गई थी। जबकि, 24 व 25 सितंबर को भी हवा में पीएम-10 का स्तर 40 से नीचे पहुंचा है। सोमवार सुबह से इसका स्तर 34 के आसपास बना हुआ है।

पीएम 2.5 के स्तर में भी कमी

छोटे प्रदूषक कण पीएम 2.5 की मात्रा में भी खासी गिरावट आई है। सोमवार दिन में 3 बजे इसका स्तर 19.1 तक पहुंच गया। गौरतलब है कि हवा में पीएम-10 कणों की मात्रा 100 के नीचे रहने पर ही उसे स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है।

जून के चार दिन चिंताजनक रहे : पर्यावरण के लिहाज से जून के चार दिन चिंताजनक रहे। राजस्थान में आई धूल भरी आंधी के चलते जून के मध्य में दिल्ली में धूल छा गई। 13 से 17 जून तक हवा में पीएम-10 की मात्रा 500 से ऊपर बनी रही।

विशाल हार पहनाकर स्वागत

कार्यकर्ता महाकुम्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फूलों का विशाल हार पहनाकर स्वागत किया गया।

सीलिंग केसः बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की बढ़ी मुश्किलें, सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद मनोज तिवारी को एक हफ्ते के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। दिल्ली में सीलिंग के मामले में शीर्ष अदालत ने तिवारी के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी को निर्देश दिया कि वह दिल्ली में सीलिंग के मुद्दे पर एक न्यूज चैनल से बातचीत में किए गए दावों पर स्पष्टीकरण दें। गौरतलब है कि मनोज तिवारी पर कथित रूप से नगर निगम द्वारा सील किए गए मकान का ताला तोड़ने का आरोप है। गोकलपुरी इलाके में एक सीलबंद घर का ताला तोड़ने के आरोप में सांसद मनोज तिवारी के खिलाफ पिछले मंगलवार को एफआईआर दर्ज की गई थी। तिवारी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 और दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) अधिनियम के 461 और 465 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उत्तर-पूर्व दिल्ली में कथित तौर पर दिल्ली मास्टर प्लान का उल्लंघन करते हुए एक घर को डेयरी को रूप में इस्तेमाल किए जाने पर उसे सील कर दिया गया था। पिछले सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक निर्वाचित प्रतिनिधि ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करने की कोशिश की थी।

हरियाणा ने फिर छोड़ा पानी, खतरे के निशान से ऊपर यमुना नदी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मंगलवार को यमुना का जलस्तर 205.24 था और यह लगातार बढ़ रहा है। हरियाणा के हथिनी कुंड से बुधवार सुबह 6 बजे 28253 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिसके चलते इसका जलस्तर और बढ़ सकता है। यमुना के आसपास अलर्ट जारी कर दिया गया है। वहीं मंगलवार दोपहर 2 बजे तक हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से करीब 11,19,430 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बता दें कि यमुना में चेतावनी का स्तर 204 मीटर है और खतरे के निशान का स्तर 204.83 मीटर है।

इन स्टूडेंट्स क्लबों के पदाधिकारियों का चयन चुनाव से होगा

सरकारी स्कूलों में 5 भाषाओं, 7 गतिविधियों को लेकर बनेंगे क्लब

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पांच भाषाओं व सात गतिविधियों को लेकर क्लब खोले जाएंगे। इस संबंध में शिक्षा निदेशक ने स्कूलों के प्राचायरे को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। जारी निर्देश के अनुसार स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू व पंजाबी भाषा के क्लब खोले जाएंगे। इनमें विज्ञान, गणित, खेल, योगा, विजुअल आर्ट, परफॉर्मिंग आर्ट, एंटी बुलिंग एंड चाईल्ड प्रोटेक्शन व स्टूडेंट काउंसिल शामिल है। इन क्लबों में होने वाली गतिविधियों को करने के लिए प्रत्येक क्लब को प्रतिवर्ष के हिसाब से दस हजार रपए दिये जाएंगे। जो क्लब पहले से ही स्कूल में बने हैं, उन्हें खत्म नहीं किया जाएगा। निदेशालय ने स्कूलों को कहा है कि क्लब के लिए मिलने वाले धन को किसी और कार्य में नहीं लगाया जा सकता। इसका हिसाब किताब स्कूल को रखना होगा। इस धन के अलावा कोई अतिरिक्त धन क्लब के लिए नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक क्लब को चलाने के लिए एक टीचर इंचार्ज व एक सहायक शिक्षक को नियुक्त किया जाएगा। प्रत्येक क्लब के लिए एक बुलेटिन बोर्ड भी लगाया जाएगा, जिसकी गतिविधि के बारे मे बोर्ड पर जानकारी दी जा सके। प्रत्येक छात्र को अधिकतम तीन क्लब में शामिल किया जा सकता है। दिव्यांग विद्यार्थियों को भी क्लब में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाने को कहा गया है।

प्रत्येक क्लब की एक कार्यकारी समिति होगी और इसका चुनाव भी होगा। क्लब की गतिविधियां प्रत्येक शनिवार को दो पीरियड में होंगी। क्लब के साथ स्कूल का हाऊस सिस्टम पूर्ववत जारी रहेगा।

अशोक विहार में चार मंजिला इमारत गिरी, 4 बच्चों समेत 5 की मौत, 7 घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार फेज-3 स्थित सावन पार्क में बुधवार सुबह एक चार मंजिला इमारत ढह गई है। मलबे में दबने से 4 बच्चों समेत 5 लोगों की मौत हो कई, जबकि 7 लोग घायल हो गए। घायलों को दीप चंद बंधू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस, अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन व अन्य एजेंसियों से जुड़ा राहत व बचाव दस्ता सुबह से युद्ध स्तर पर मलबे को हटाने व उसमें फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुटा था। पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ 304 के तहत मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। उसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। उधर दिल्ली सरकार ने मरने वालों के परिजनों को पांच-पांच लाख का मुआवजा देने और घटना की जांच मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। हादसे में मरने वालों में आशी(3), सूर्या(2), रजनीश(4), सुमनेश(10) और मुन्नी देवी(40) शामिल हैं। वहीं घायलों में सीमा(25), मंजू(22), लक्ष्मण(26), विजय(30), कमला शंकर(18), राज बहादुर(35) व निशा(40) शामिल हैं। इनमें से सीमा, लक्ष्मण व निशा की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन तीनों को एलएनजेपी अस्तपाल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य घायल दीपचंद् बंधू अस्पताल में भर्ती हैं। यह इमारत करीब 20 साल पुरानी बताई जा रही है, जो जर्जर हो चुकी थी। इस इमारत के मालिक की पहचान धर्मेंदर के रूप में हुई है। इमारत में चार परिवार के 21 लोग किराए पर रहते थे। इसमें से एक परिवार के यहां आए दो रिश्तेदार भी सहित इमारत में कुल 23 सदस्य थे। लेकिन हादसे के वक्त इसमें से 12 लोग घर में मौजूद थे, अन्य 11 घर के बाहर गए थे। हादसा 9:23 बजे तेज धमाके के साथ हुआ। धूल कुछ छंटी तो आसपास के लोग बचाव के लिए मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस, अग्निशमन विभाग और आपदा प्रबंधन टीम के सदस्य मौके पर पहुंच गए और राहत का काम शुरू किया गया।

जर्जर होने की दी दी थी शिकायत

उधर हादसे को लेकर पुलिस में शिकायत देने वाले रवि गुप्ता ने बताया कि इमारत के जर्जर होने सूचना उसने संबंधित एजेंसी कुछ दिन पहले ही दी थी। रवि की इस इमारत में भूतल पर डिस्पोजेबल आयटम की दुकान थी। दरअसल यह इमारत एक पेड़ के सहारे टिकी थी। यह पेड़ सूख गया था, जिससे इमारत को मिलने वाला सहारा कमजोर पड़ गया और बुधवार सुबह यह इमारत भरभरा कर गिर गई।

आसपास के भवन भी क्षतिग्रस्त

इमारत जिस इलाके में गिरी है, वह काफी सघन आबादी वाला इलाका है। आसपास घनी आबादी होने के कारण हादसे का असर कई अन्य घरों पर भी पड़ा और वे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आसपास के उन क्षतिग्रस्त भवनों की भी जांच की जा रही है कि वह रहने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं।

दिल्ली में इमारत ढहने की घटनाएं

17 जनवरी, 2017- चांदनी महल में मकान गिरा, बुजुर्ग दंपती की मौत।

09 अक्टूबर, 2013-सदर बाजार में मकान गिरने से बाप बेटे की मौत।

12 दिसम्बर, 2012-न्यू अशोक नगर इलाके में इमारत ढहने से पांच मरे।

08 सितम्बर, 2011-चांदनी महल इलाके में इमारत ढहने से 22 घायल।

15 नवम्बर, 2010-लक्ष्मी नगर में इमारत गिरने से 67 मरे,150 घायल।

14 जुलाई, 2010-ब्रह्मपुरी इलाके में इमारत गिरने से 7 मरे,6 घायल।

08 अगस्त, 2008-खान माकेट में इमारत गिरने से 4 मरे,25 घायल।

प्रमोशन में आरक्षण: फैसला बड़ी पीठ को भेजने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि 2006 में नागराज मामले में उसकी ओर से सुनाए गए उस फैसले को सात सदस्यों की पीठ के पास भेजने की जरूरत नहीं है जिसमें अनुसूचित जातियों (एससी) एवं अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को नौकरियों में तरक्की में आरक्षण देने के लिए शर्तें तय की गई थीं।

दिल्ली को दिवाली तक भारी वाहनों से मिलेगी मुक्ति, वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे भी जल्द होगा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली को दिवाली से पहले भारी वाहनों से पूरी तरह से निजात मिल जाएगी। ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल से बनने वाली नई रिंग रोड के पूरे हिस्से पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। हरियाणा में पड़ने वाले कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे (वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे) के 83 किलोमीटर के हिस्से का काम अब अंतिम दौर में हैं। वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे का यह हिस्सा कुंडली-मानेसर के बीच है। मानेसर से पलवल के बीच वाहनों की आवाजाही पहले ही शुरू हो चुकी है। केएमपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) अथॉरिटी के अधिकारियों के अनुसार, बारिश के चलते कामकाज प्रभावित हुआ था। अब फिनिश वर्क को पूरा किया जा रहा है। कुछ स्थानों पर मिट्टी बह गई थी, वहां फिर से मिट्टी भरी जा रही है। उम्मीद है कि जल्द से जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए तेजी से प्रयास जारी है।

दिल्ली का प्रदूषण घटेगा

पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (ईपीसीए) का अनुमान है कि नया रिंग रोड खुल जाने के बाद एक लाख से अधिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी। अभी हर दिन 1 से 1.5 लाख वाहन दिल्ली से गुज़रते हैं। इनमें से 50 फीसदी या उससे अधिक ट्रक और भारी वाहन होते हैं जो दिल्ली में प्रदूषण को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाते हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा 2016 में किए गए एक अध्ययन में यह कहा गया था कि शहर के 30 फीसदी प्रदूषक कणों का उत्सर्जन ट्रकों द्वारा हो रहा था। उम्मीद है कि वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे की वजह से दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों की संख्या में 35 प्रतिशत की कमी आएगी।

मुख्यमंत्री खुद निगरानी कर रहे

वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के काम की निगरानी खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कर रहे हैं। वह चार बार इस परियोजना के काम की प्रगति जानने के हवाई सर्वेक्षण भी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जैन के मुताबिक, एक्सप्रेस वे का लगभग पूरा हो गया है। जल्द ही इसके उद्घाटन की तारीख तय की जाएगी। वहीं, एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि एक्सप्रेस वें सतबर अंत तक काम पूरा हो जाएगा। यह 2 फरवरी 2019 की निर्धारित समय सीमा से लगभग चार महीने पहले है।

डरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संसद मार्ग पर धरना दिया।

चाहता था आईएएस या आईपीएस बनना, चुन लिया राजनीति का रास्ता

लखनऊ ■ एजेंसी

देश के गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में खुलासा किया कि उनका सपना आईएएस या आईपीएस बनने का था।

राजनाथ ने कहा, मेरा सपना था कि आईएएस या आईपीएस बनूं। इसके लिए तैयारी भी की, लेकिन अचानक मन बदला और मैंने राजनीति में कदम रख दिया, जबकि मैं राजनेता नहीं बनना चाहता था। ये बातें देश के गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लखनऊ के एक निजी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। राजनाथ सिंह उक्त स्कूल में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर आधारित कार्यक्रम में पहुंचे थे।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने ना सिर्फ छात्रों को सफलता के सूत्र बताए, बल्कि कई बातों पर उनके सवालों का जवाब भी दिया। कार्यक्रम में मेधावियों को सम्मानित करने के बाद राजनाथ ने कहा कि मेरा सपना था कि मैं भी आईएएस या आईपीएस बनकर देश की सेवा करूं, लेकिन फिर अचानक मेरा मन बदला और मैंने ना चाहते हुए भी राजनीति का रास्ता चुन लिया। वहीं विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान गृहमंत्री ने तमाम सवालों के जवाब भी दिए।

केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए सौंपा चेक

इस सत्र में छात्र आर्यन ने गृहमंत्री से पूछा कि आज देश युवा भारतीय संस्कृति से दूर क्यों भाग रहा है? इसके जवाब में गृहमंत्री ने कहा कि यह असर कुछ देर के लिए ही होता है। जब लोग चकाचौंध से प्रभावित होते हैं, लेकिन भारत की सभ्यता इतनी मजबूत है की इसको कोई हिला नहीं सकता। खास बात यह कि इस कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन और छात्रों की ओर से केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए इकट्ठा किए गए 4 लाख रुपए का चेक गृहमंत्री को सौंपा गया। इस दौरान स्कूल प्रबंधन के तमाम लोगों समेत कई विद्यार्थी और उनके अभिवावक भी मौजूद रहे।

आलसी सुखी नहीं हो सकता, निद्रालु ज्ञानी नहीं हो सकता, ममत्व रखने वाला वैराग्यवान नहीं हो सकता और हिंसक दयालु नहीं हो सकता -भगवान महावीर

आपराधिक मामले

न्यायालय द्वारा आपराधिक मामलों के कारण किसी के चुनाव लड़ने या न लड़ने पर फैसला देने से इनकार करना वास्तव में हमारे संविधान में शासन के तीनों अंगों के बीच खींची गई विभाजन रेखा के अनुरूप है। न्यायालय का यह कहना बिल्कुल सही है कि इस विषय का निपटारा संसद करे यानी जिन लोगों पर आपराधिक मामले हैं, उनको चुनाव लड़ने से रोकना है तो इस पर कानून बनाने का अधिकार संसद को है। हमारे संविधान में भी कानून बनाने, संविधान में संशोधन करने का अधिकार संसद को दिया गया। न्यायालय को इनकी न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। वैसे भी आपराधिक मामलों से घिरे लोगों को चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं, इस पर दो राय रही हैं। जिनको जनसंघर्ष का अनुभव है, उनका मानना है कि ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने से नहीं रोका जाना चाहिए। संभव है कि इसमें कुछ वाकई में अपराधी तत्व हों, पर जो लोग आंदोलनों में भाग लेते हैं, उन पर अनेक प्रकार के मुकदमे होते हैं। राजनीति में सक्रिय लोगों पर भी आक्रामक विरोध और अन्य अनेक कारणों से ऐसे मामले दायर हो जाते हैं, जिनमें 5 वर्ष से ज्यादा की सजा का प्रावधान है। न्यायालय के सामने जो याचिकाएं थीं उनमें यही अपील की गई थी कि जिन पर 5 वर्ष या इससे ज्यादा सजा मिलने वाली धाराओं में आरोप पत्र दाखिल हो गए हों उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जाए। सरकार की ओर से न्यायालय में इसका विरोध किया गया और कहा गया कि यह विषय न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। सर्वोच्च न्यायायल पहले ही यह फैसला दे चुका है कि जिसे भी दो वर्ष या उससे अधिक की सजा मिल गई हो, उसकी संसद और राज्य विधायिकाओं की सदस्यता खत्म हो जाएगी और सजा समाप्त होने के छह वर्ष बाद तक उसके चुनाव लड़ने का निषेध रहेगा। यह बहुत बड़ा फैसला था। किंतु किसी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हो जाने मात्र से ही उसे दोषी नहीं माना जा सकता। कानून का सामान्य सिद्धांत कहता है, और स्वयं सर्वोच्च न्यायालय कह चुका है कि जब तक किसी को सजा नहीं हो जाती, उसे दोषी नहीं माना जा सकता। चुनाव से भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को बाहर करने का विचार निस्संदेह प्रशंसनीय है, पर इस तरह से तो जौ कम और घुन ज्यादा पिस जाएंगे। राजनीतिक दलों को ही यह विचार करना पड़ेगा कि जिनकी वाकई आपराधिक पृष्ठभूमि हो उनको वे अपने उम्मीदवार न बनाएं।

पिछड़ेपन का प्रमाण

सिक्किम का पाक्योंग ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा देश की बड़ी उपलब्धि है। इतने ऊंचे पहाड़ों को काटकर जिस ढंग से बनाया गया है, वह इसके योजनाकारों, इंजीनियरों, उनके साथ लगे सभी कर्मियों का असाधारण कारनामा है। यह हवाई अड्डा हिमालयी क्षेत्र में 4,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है, और 990 एकड़ में फैला हुआ है। इससे दूसरे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भी ऐसे हवाई अड्डे के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसलिए प्रधानमंत्री का कहना गलत नहीं था कि यह दिन केवल सिक्किम के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। पाक्योंग, सिक्किम की राजधानी गंगटोक से करीब 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। इस पर दिए जा रहे राजनीतिक बयानों को छोड़ दें तो यकीनन इससे सिक्किम में पर्यटन को गति मिलेगी। इससे सिक्किम देश के सभी भागों से जुड़ गया है। इसका सामरिक महत्त्व इस मायने में है कि यह चीन की सीमा से निकट है। इसका निर्माण भी उसी तरीके से हुआ है कि जरूरत पड़ने पर हम उसका सामरिक उपयोग कर सकते हैं। इन दिनों हवाई यातायात का महत्त्व कितना बढ़ गया है, यह बताने की जरूरत नहीं। दुनिया के अन्य अनेक देशों से तुलना करें तो भारत जैसे बड़े देश में केवल 100 हवाई अड्डे चालू अवस्था में हैं, जो इस मामले में हमारे पिछड़ेपन का प्रमाण है। अगर मोदी सरकार ने अपने चार साल चार महीने के शासन में 35 हवाई अड्डे दिए हैं, तो इसे संतोषजनक प्रगति मानना होगा। इसे आगे बनाए रखने की आवश्यकता है। हालांकि इनमें से अनेक हवाई अड्डों की नींव यूपीए सरकार के दौरान डाली गई। किंतु उस सरकार में काम की गति इतनी धीमी थी कि उनमें ज्यादा प्रगति नहीं हुई। पाक्योंग हवाई अड्डे की आधारशिला भी 2009 में ही रखी गई थी। अगर काम की गति सही होती तो उसी सरकार के कार्यकाल में यह पूरा हो जाता। वास्तव में एक ओर हवाई यात्रा को प्रोत्साहन देने की नीति और दूसरी ओर पूर्वोत्तर के लिए एक समग्र योजना बनाकर काम करने से यह सफलता हासिल हुई है। पूर्वोत्तर में रेल का विस्तार पहले ही किया जा चुका है। उम्मीद करनी चाहिए कि हवाई सेवा के विस्तार का देशव्यापी काम तो चलता ही रहेगा, पूर्वोत्तर की विकास योजना भी इसी तरह आगे बढ़ेगी।

सत्संग

संघर्ष

एक मूलभूत चीज यह है कि लोग अब अपने जीवन जीने के लिए संघर्ष नहीं कर रहे, इसलिए उन्हें दिलचस्पी जगाने और किसी चीज में जुनून से जुड़ने के लिए कुछ और चाहिए। ऐसा नहीं होता तो उस समाज में सुख और नशे की जरूरत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाएगी। इसलिए जरूरी है कि चाहे माता-पिता संपन्न हों, मगर बच्चों को एक निश्चित उम्र तक संपन्नता का अनुभव नहीं होना चाहिए। इस संस्कृति में राजा भी अपने बच्चों को गुरु कुल भेजते थे, जहां वे दूसरे बच्चों के साथ पढ़ते थे और जहां हर कोई बहुत मूलभूत जरूरतों के साथ रहता था। क्योंकि किसी के जीवन में दौलत आने से पहले अनुशासन और भागीदारी तथा जीवन के साथ जुड़ाव की भावना आनी चाहिए वरना दौलत बोझ बन जाएगी। इस पीढ़ी के साथ यही हो रहा है। एक और वजह यह है कि इन दिनों काफी हद तक माता-पिता, दोनों नौकरी कर रहे हैं। शुरु आती उम्र में बच्चे को जो ध्यान चाहिए, वह उसे नहीं मिल पा रहा। इसलिए स्वाभाविक रूप से बच्चों का ध्यान भटक रहा है। वे पर्याप्त शारीरिक गतिविधि भी नहीं करते। आप अपने शरीर की फिटनेस का आनंद नहीं लेते तो आपको नशे में ही आनंद आएगा। अगर आप अपने सिस्टम की जीवंतता और ऊर्जा का आनंद नहीं लेते तो नशा ही अकेला तरीका रह जाता है और अब ड्रग्स सिर्फ नशा नहीं रह गया है, वे कुछ घंटों के लिए जीवंत भी महसूस कराती है। इसलिए यह पीढ़ी विशाल स्तर पर उस ओर बढ़ रही है। इसके ड्रग्स की ओर बढ़ने की एक और अहम वजह है कि उन्हें स्वर्ग के जो सपने दिखाए गए थे, वे ढह रहे हैं। शायद वे अब भी इसे बहुत साफतौर पर व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। उनके पास यह कहने की स्पष्टता या साहस नहीं है। मगर लंबे समय से हमने लोगों को यह कहकर काबू में रखा है कि इन सब चीजों से दूर रहने पर स्वर्ग में आपको बड़ी मात्रा में ये चीजें मिलेंगी। अब स्वर्ग ढह रहे हैं, इसलिए वे यहीं पीने की कोशिश में हैं। इस तरह इसके कई पहलू हैं। मूलभूत रूप से एक इंसान के लिए अपना जीवन बचाने के लिए शारीरिक संघर्ष करने की जरूरत नहीं रह गई है। यही नशे की जरूरत को बढ़ाता है।

गंभीर बीमारी की सूचना खौफ

आर्थिक तौर पर नीचे के पच्चीस प्रतिशत में से करीब 39 प्रतिशत की हालत बुधिया जैसी ही है, कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं, दम टूट जाता है। गरीब परिवारों की गंभीर बीमारी की सूचना खौफ की तरह आती है, जिसमें घर-बार बिकने की आशंकाएं समाहित होती हैं। मोदी सरकार ने ऐसी स्थिति में योजना लांच की है-आयुष्मान भारत यानी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना। इस स्कीम के तहत 10 करोड़ गरीब परिवारों का 5 लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा यानी करीब 50 करोड़ लोग इसके दायरे में आएंगे। इस वित्तीय वर्ष यानी सितम्बर से मार्च, 2019 तक सरकार पर योजना के तहत 5000 करोड़ रुपये का खर्च बैठेगा। अगले साल जब यह योजना पूरे भारत में प्रभावी हो जाएगी।

सतीश पेडणोकर

इस मुल्क में हर कोई अफोर्ड नहीं कर सकता। साधन-संपन्न ही ऐशो-आराम अफोर्ड कर सकते हैं, वो ही बीमारी भी अफोर्ड कर सकते हैं। नेशनल सैंपल सर्वे 2013-14 के आंकड़ों के हिसाब से इस मुल्क में होने वाली मौतों की करीब एक तिहाई मौतों से पहले कोई मेडिकल सहायता नहीं मिलती यानी वो मौतें बिना किसी चिकित्सकीय सहायता के हो जाती हैं। लाखों के इलाज की कीमत सुनकर गरीब आस बिल्कुल छोड़ देता है। आंकड़ों के मुताबिक देश में आर्थिक हैसियत के लिहाज से शीर्ष पांच प्रतिशत लोगों में से करीब 98 प्रतिशत लोगों को मरने से पहले कुछ-ना-कुछ मेडिकल सहायता मिलती है। करीब 39 प्रतिशत को कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं मिलती। देश में चिकित्सा की लागत का हाल यह है कि निम्न आय वर्ग तो वह कीमत सुनकर कांप ही जाता है, मध्यवर्गीय व्यक्ति के लिए भी चिकित्सकीय लागत बहुत जानलेवा साबित होती है।

कोई गंभीर बीमारी का शिकार होने पर मध्यवर्गीय परिवारों में भी गहन आर्थिक संकट की नौबत आ जाती है। प्रेमचंद की कहानी ''कफन' में घर की गर्भवती बहू प्रसव-वेदना से मर जाती है, बिना किसी चिकित्सकीय सहायता के। मुल्क में आर्थिक तौर पर नीचे के पच्चीस प्रतिशत में से करीब 39 प्रतिशत की हालत बुधिया जैसी ही है, कोई चिकित्सकीय सहायता नहीं, दम टूट जाता है। गरीब परिवारों की गंभीर बीमारी की सूचना खौफ की तरह आती है, जिसमें घर-बार बिकने की आशंकाएं समाहित होती हैं। मोदी सरकार ने ऐसी स्थिति में योजना लांच की है-आयुष्मान भारत यानी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना। इस स्कीम के तहत 10 करोड़ गरीब परिवारों का 5 लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा यानी करीब 50 करोड़ लोग इसके दायरे में आएंगे। इस वित्तीय वर्ष यानी सितम्बर से मार्च, 2019 तक सरकार पर योजना के तहत 5000 करोड़ रुपये का खर्च बैठेगा। अगले साल जब यह योजना पूरे भारत में प्रभावी हो जाएगी तो यह खर्च 10 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। इसमें से 60 फीसद हिस्सा केंद्र से मिलेगा, जबकि बाकी का 40 फीसद भार राज्य उठाएंगे। हालांकि कई राज्य सरकारों ने इस योजना में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसकी वजह राजनीतिक हैं। अगर पचास करोड़ लोगों को प्रभावित करने वाली आयुष्मान योजना के शुरुआती परिणाम सकारात्मक और संतोषजनक आए तो अगले लोक सभा चुनाव में यह भाजपा सरकार के लिए बड़ा मुद्दा होगा। पचास करोड़ जनसंख्या का मतलब है कि मुल्क की आबादी का करीब चालीस फीसद हिस्सा योजना से लाभान्वित हो सकता है। यह संख्या बहुत बड़ी है, भाजपा आयुष्मान योजना के राजनीतिक लाभांश न ले जाए, यह स्वाभाविक चिंता भाजपा की हर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टी को होनी चाहिए और वह है भी। यह योजना विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना मानी जा सकती है। मोटे तौर पर योजना कुछ यूं काम करेगी कि इसका लाभ उठाने के पात्र परिवारों के पास कार्ड होगा। उस कार्ड को दिखाकर वह परिवार अपने बीमार सदस्यों का तय सरकारी या निजी अस्पतालों में इलाज करवा सकेंगे। उन्हें कोई भुगतान नहीं करना होगा। भुगतान की जिम्मेदारी सरकार की रहेगी। शुरु आती रिपोटरे के मुताबिक करीब दस हजार अस्पताल इस योजना में शामिल हो चुके हैं। योजना निश्चय ही बहुत महत्त्वाकांक्षी है, परंतु इसमें चुनौतियां भी कम नहीं हैं। योजना में वित्तीय संसाधनों को लेकर चुनौती लगभग न के बराबर है। सरकार ने बजट 2018 में एक फीसद हेल्थ सेस को शामिल किया। इससे करीब 11000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड इकट्ठा होगा। सरकार इस पैसे का इस्तेमाल आयुष्मान भारत में करने की तैयारी में है। वित्तीय चुनौतियों से ज्यादा मारक चुनौतियां किसी योजना को जमीन पर उतारने में होती हैं। निजी क्षेत्र के अस्पतालों का ट्रैक रिकॉर्ड विपन्न तबकों को चिकित्सकीय मदद के मामले में खराब ही नहीं, अमानवीय रहा है। दिल्ली में तमाम निजी अस्पतालों को सरकार ने लगभग मुफ्त में जमीन उपलब्ध कराई थी, इस शर्त पर कि वहां गरीब तबकों का सस्ता इलाज होगा। पर बहुत मुश्किलें पेश आ रही हैं गरीबों के इलाज में। कहना यह कि निजी क्षेत्र के लिए आयुष्मान योजना कमाई का माध्यम नहीं बनी तो पक्का है कि वह इसे बराये नाम भर कागज पर चलाए रखेगा। कोई ठोस उपलब्धि नहीं मिल पाएगी। जैसा कि संकेत मिल रहे हैं, निजी क्षेत्र की तरफ से आयुष्मान भारत योजना के कई रेटों पर असंतोष जताया जा रहा है। सिजेरियन ऑपरेशन का रेट आयुष्मान योजना में 9000 रुपये रखा गया। यानी कोई निजी अस्पताल सीजेरियन आपरेशन 9000 में करेगा पर कई निजी अस्पताल इस रेट को नाकाफी बता रहे हैं। तो कुल मिलाकर योजना जमीन पर

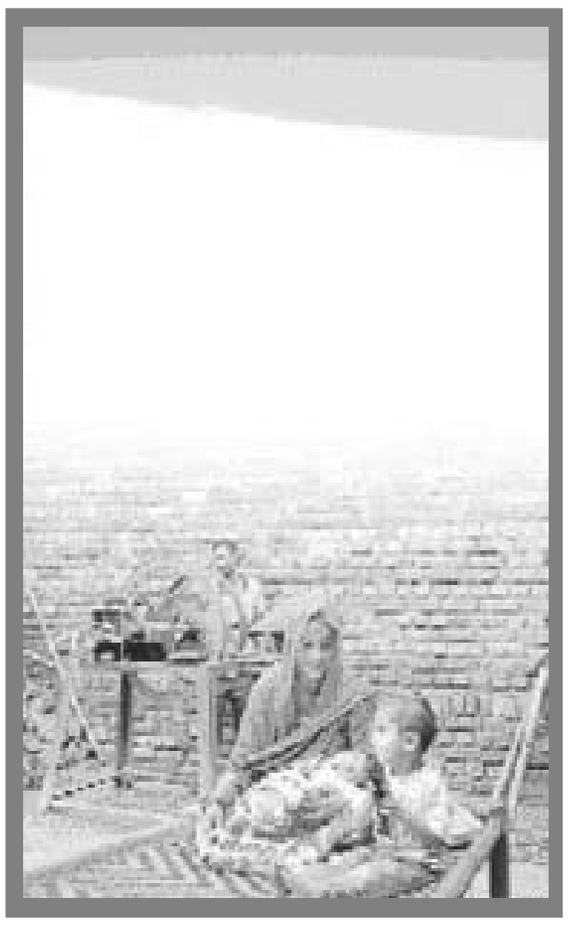

कैसे उतरेगी, यह देखना महत्त्वपूर्ण है। इस तरह की रियायती योजनाएं सरकारी संस्थाओं के हवाले होती हैं, तो उनमें भ्रष्टाचार की राह खुलती है, और निजी संस्थाओं के हवाले हों तो ऐसी मुनाफा विहीन योजनाओं में उनकी दिलचस्पी नहीं होती। इसलिए घोषणाओं में कारगर और लाभप्रद दिखने वाली योजनाएं जमीन पर आते-आते घिसटती दिखती हैं। कई विपक्षी नेता योजना को पहले ही जुमला घोषित कर चुके हैं। तमाम राजनीतिक दल चाहेंगे कि योजना जमीन पर ना उतरे। देखने की बात यह भी कि योजना की सफलता में सिर्फ केंद्र सरकार की भूमिका नहीं रहेगी। राज्य सरकारों की भूमिका इसमें बहुत अहम है। आयुष्मान योजना के तहत पहला केस हरियाणा में आया जहां भाजपा की सरकार है। चिकित्सा में राज्य सरकारों के अस्पतालों की प्रमुख भूमिका रहने वाली है। उनकी गुणवत्ता और उनकी प्रतिबद्धता की खास भूमिका आयुष्मान में रहने वाली है। अगर भाजपा अपने ही शासित राज्यों में इसे कामयाबी से जमीन पर उतार पाने में कामयाब होती है, तो फिर गैर-भाजपा राज्यों पर एक नैतिक दबाव पड़ेगा और उससे उस राज्य की जनता का भी भला होगा। इस मुल्क ने इतनी बड़ी बड़ी घोषणाएं देखी हैं कि जब तक कुछ ठोस परिणाम ना दिखाई दे, इस योजना के कंसेप्ट की तारीफ की जा सकती है।

कार्यान्वन के विश्लेषण के लिए रुकना होगा। अगर इसका कार्यान्वन कामयाब हो गया तो फिर उनका काम बहुत मुश्किल हो जाएगा, जो पूछते हैं कि आखिर, मोदी से ठोस किया क्या है? यह योजना अपने आप में इतनी ठोस योजना है कि सिर्फ इसके सहारे ही चुनाव जीतने की महत्वाकांक्षा कोई राजनीतिक दल पाल सकता है। पर योजना के ही स्वास्थ्य की चिंता पहले करनी होगी।

चलते चलते

नंदिता दास को बधाई

नंदिता दास ने बहुत संवेदनशीलता के साथ मंटो को प्रस्तुत करने की कोशिश की है, और नवाजुद्दीन एक बेहतरीन अदाकार हैं ही, लेकिन मंटो जैसी शख्सियत को समझ पाना और उसे प्रस्तुत कर पाना, एक बहुत बड़ी चुनौती का कार्य है। सो तौ है, पर समझाय कै बता। उस शख्स ने अपने समाज की जिन उपेक्षित और स्याह पतरे में अपनी संवेदनाओं को जिस तरह मानवीय मकसदों के साथ घुमाया।

''मंटो' फिलम देखि आयौ, कैसी लगी? -अच्छी थी, बहुत अच्छी थी चचा! लेकिन मैं इस फिल्म से कुछ ज्यादा उम्मीदें लेकर गया था। इसमें शक नहीं कि नंदिता दास ने बहुत संवेदनशीलता के साथ मंटो को प्रस्तुत करने की कोशिश की है, और नवाजुद्दीन एक बेहतरीन अदाकार हैं ही, लेकिन मंटो जैसी शख्सियत को समझ पाना और उसे प्रस्तुत कर पाना, एक बहुत बड़ी चुनौती का कार्य है। सो तौ है, पर समझाय कै बता। उस शख्स ने अपने समाज की जिन उपेक्षित और स्याह पतरे में अपनी संवेदनाओं को जिस तरह मानवीय मकसदों के साथ घुमाया, जिस तरह निबिड़ अंधकार को महसूस किया, और फिर उसके अंदर तमन्ना जगी कि वह उस अंधेरे पर रोशनी डाले। लेकिन उसने इस बात का भी ध्यान रखा कि जिनके स्वयं के जहनों में अंधेरा है, वहां अंधेरे वाली रोशनी कैसे फैलाई जा सकती है।-अंधेरे वाली रोसनी, वाह!-देखिए, वह प्रगतिवादियों की तरह यथार्थवादी नहीं था। न ही अतियथार्थवादियों की तरह यथार्थवादी। वह तो अपने जीवंत निरीक्षण को अफसाना बनाता था। प्रामाणिक जानकारियों के लिए देह व्यापार की गोपन गलियों का घुमंतू बन गया था। श्लीलता और अश्लीलता में बहुत बारीक-सी रेखा है, जो उसने कभी पार नहीं की। उन कड़वी सचाइयों के लकदक-शून्य लोक में उसने पाया, ''हर औरत वेश्या नहीं होती, लेकिन हर वेश्या एक औरत होती है'। वह संवेदनशील लेखक था। उसके मन में अपार क्रोध था। क्रोध में किसी को मार नहीं सकता था, इसलिए खुद को मारने लगा। वह नीट शख्स था, नीट पीता था। इतनी सीलन, सड़ांध, धुंए और घुटन में उसने लोगों को जीते देखा तो सोचा होगा, मेरी सिगरेट का धुंआ क्या है उसके आगे। समाज के मसान में होती मसाज देखकर उसके मन के साजों के तार टूटने लगे थे। तभी तो शराब और धुंए ने उसके शरीर को खोखला कर दिया। कहां पैदा हुआ, कहां दिवंगत, मंटो किसी एक देश का नहीं, पूरी दुनिया का नागरिक था। नंदिता को बधाई, लेकिन नंदिता मुझे एक और फिल्म देखनी है, जो मुझे धीर-गंभीर मंटो से मिला दे।

फोटोग्राफी...

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की सोमवार को 100वीं जयंती पर न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय में उनकी एक प्रतिमा का अनावरण किया गया।

स्वतंत्रता और न्याय

जब हम ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछते हैं : किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था। इन हालात की विडम्बना देखिए : एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चैन से नहीं रहने देना चाहते; और दूसरी ओर गैर-बराबरी का भस्मासुर न सिर्फ हमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस-नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है। अभी जब हम अपना पिछला गणतंत्र दिवस मनाने वाले थे, गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने का दावा करने वाले ऑक्सफेम इंटरनेशनल ने एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि आर्थिक विषमता की, जो सभी तरह की स्वतंत्रताओं और इंसाफों की साझा दुश्मन है, दुनिया भर में ऐसी पौ-बारह हो गई है कि पिछले साल बढ़ी 762 अरब डॉलर की संपत्ति का 82 फीसदी हिस्सा एक प्रतिशत धनकुबेरों के कब्जे में चला गया है, अधिसंख्य आबादी को जस की तस बदहाल रखते हुए।

इस संपत्ति के रूप में धनकुबेरों ने गरीबी को सात बार सारी दुनिया से खत्म कर सकने का सार्मथ्य इस एक साल में ही अपनी मुट्ठी में कर लिया तो क्या आर्श्चय कि गरीबों के लिए ''कर लो दुनिया मुट्ठी में' का अर्थ एक संचार सेवाप्रदाता कंपनी के झांसे का शिकार होना भर हो गया है। यह सरकार इस सीधे सवाल का सामना भी नहीं करती कि किसी एक व्यक्ति के अमीर बनाने के लिए कितनी बड़ी जनसंख्या को गरीबी के हवाले करना पड़ता है, और क्यों हमें ''हृदयहीन' पूंजी को ब्रह्म और ''श्रम के शोषक' मुनाफे को मोक्ष मानकर ''सहृदय' मनुष्य को संसाधन की तरह संचालित करने वाली अर्थव्यवस्था के लिए अनंतकाल तक अपनी सारी लोकतांत्रिक-सामाजिक नैतिकताओं, गुणों और मूल्यों की बलि देते रहना चाहिए?

भारत हमेशा से ही संस्कृति और रीति-रिवाजों के लिए जाना जाता रहा है। आंकड़ों की मानें तो नतीजे बेहद दिलचस्प हैं। सरकार द्वारा जारी आंकड़े बताते हैं कि 2001 में जहां 51.7 फीसद एकल परिवार थे, वहीं 2011 में 52.1 फीसद थे। फीसद में इजाफा बेहद मामूली जरूर है लेकिन संख्या की बात करें तो देश में 3 करोड़ एकल परिवार बढ़ गए हैं। जिन एकल परिवारों को शहरों की परंपरा कह कर लोग दशकों से कोसते रहे हैं, हालांकि उनकी संख्या शहरों में कम हुई है। व्यक्तित्व निर्माण जैसी जरूरत पर कुछ छोटी-मोटी समस्याएं भारी क्यों पड़ती जा रही हैं? क्या हमने अपनी भावी पीढ़ी की फिक्र करनी छोड़ दी है? क्या हम नहीं चाहते कि हमारी आने वाली पीढ़ी प्रगतिशील होने के साथ-साथ संस्कारी भी हो? जाहिर है, हमें एक-साथ रहकर एक-दूसरे के साथ सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। एक ऐसे समय में जब कुछ बुराइयां समाज को चुनौती पेश कर रही हैं, तब अगर हमने वक्त की नजाकत को नहीं समझा तो यकीनन हम भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित नहीं कर सकेंगे।

सार समाचार

भारत और मोरक्को ने रक्षा संबंध मजबूत करने का फैसला किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत तथा मोरक्को ने रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने का मंगलवार को निश्चय किया एवं साइबर सुरक्षा और बाहरी अंतरिक्ष के इस्तेमाल के सहयोग के लिए दो करारों पर दस्तखत किया। दोनों पक्षों ने रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके मोरक्को समकक्ष अब्दुलतिफ लौडयी के बीच वार्ता के दौरान द्विपक्षीय आतंकवाद निरोधक सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''इस भेंट के दौरान दोनों मंत्री रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाने के लिए जलविज्ञान, शांतिमिशन और आतंकवाद निरोधक सहयोग को संभावित क्षेत्रों के रुप में पहचान की। दोनों जहाज निर्माण में सहयोग पर भी सहमत हुए।

प्राचीनकाल में मंगल ग्रह पर संभवत: भूमिगत जीवन रहा होगा

नई दिल्ली। प्राचीनकाल में मंगल ग्रह पर ऐसे महत्वपूर्ण घटक बहुतायत में थे जिनकी मदद से सूक्ष्म जीव यहां की सतह के नीचे लाखों वर्षों तक जीवित रह सकते थे। धरती पर सतह के नीचे रहने वाले सूक्ष्म जीवों तक सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती है इसलिए वह आस-पास के वातावरण के अणुओं से अति सूक्ष्म परमाणु (इलेक्ट्रॉन) को अलग करके उनसे ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अपघटित आणविक हाइड्रोजन काफी संख्या में इलेक्ट्रॉन देता है। अमेरिका में ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्नातक के छात्र जेसे तारनस ने कहा कि भौतिकी और रसायन शास्त्र की मूलभूत गणना बताती है कि प्राचीनकाल में मंगल की उपसतह पर पर्याप्त अपघटित हाइड्रोजन रहे हों जिससे वैश्विक उप-सतह जीवमंडल को ऊर्जा मिलती हो। यह शोध 'अर्थ ऐंड प्लेनेटरी साइंस लैटर्स में प्रकाशित हुआ है। शोध के मुताबिक, जल अणुओं को उसके घटक हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन में विभाजित करने वाली प्रक्रिया रेडियोलिसिस के जरिए मंगल की उप सतह पर पर्याप्त मात्रा में हाइड्रोजन पैदा हुई होगी। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि चार अरब वर्ष पहले सतह पर हाइड्रोजन की मात्रा इतनी अधिक थी जो सूक्ष्म जीवों के जीवित रहने के लिए पर्याप्त थी। उन्होंने कहा कि यहां की परिस्थितियां धरती पर उन स्थानों जैसी ही होंगी जहां पर भूमिगत जीवन है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि प्राचीन काल में मंगल पर जीवन था, लेकिन अगर था तो वहां की परिस्थितियां उसके अनुकूल थीं।

दुबई में 9 महीने से जहाज में फंसे 8 भारतीय, न नीचे उतर पा रहे हैं, न वापस आ पा रहे

दुबई, एजेंसी। दुबई में आठ भारतीय नाविक पिछले नौ महीने से बिना पूरे वेतनमान के एक जहाज में फंसे हुए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पनामा से रवाना हुआ जहाज पिछले साल नवंबर में दुबई की समुद्रीसीमा में पहुंचा। जहाज में फंसे नाविकों ने बताया कि कंपनी ने उन्हें बिना वेतन और बिना भोजन एवं ईंधन के छोड़ दिया है। एमवी टॉपमैन नामक यह जहाज दुबई मैरीटाइम सिटी के 13वीं गोदी में लगा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, नाविकों ने कहा कि दुबई पहुंचने के बाद उन्हें महज एक ही महीने का वेतन दिया गया है और भोजन एवं पेयजल की नाममात्र की आपूर्ति की जा रही है।

किसी तरह जिंदा हैं

जहाज में फंसे नाविकों में से एक ने बताया कि हम किसी तरह से जिंदा हैं। हमारा वजन सात-आठ किलो गिर चुका है। हमारे पास ताकत नहीं बची है। उधर हमारे परिवार वाले भी परेशान हो रहे हैं। स्थिति ऐसी हो गयी है कि हम आत्महत्या करने की दहलीज पर हैं। उल्लेखनीय है कि नाविकों के पास संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का वीजा नहीं है इस कारण वे जहाज से उतर नहीं सकते हैं

यूएई प्राधिकरण ने कंपनी पर प्रतिबंध की धमकी दी

जहाज पर सवार एक वरिष्ठ क्रू सदस्य ने बताया कि यदि कोई दुर्घटना या चिकित्सा की आपात स्थिति होती है तो हम सहायता लेने के लिए भी बाहर नहीं जा सकते हैं। सदस्य ने बताया कि सभी अग्निशमन यंत्र खत्म हो चुके हैं। इसके साथ ही यूएई की संघीय परिवहन प्राधिकरण ने जहाज के भारतीय मालिक को चेतावनी दी है।

आंसू गैस के हमले

उत्तरी गाजा में सोमवार को एक प्रदर्शन के दौरान इस्त्रइली सेना के आंसू गैस के हमलों से अपने को बचाते फि लिस्तीनी प्रदर्शनकारी।

भारत-पाक के बीच 37 अरब डॉलर के करोबार की संभावना : वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसियां। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते अगर सामान्य होते हैं, तो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 37 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाया जा सकता है। यह अनुमान विश्वबैंक ने 'ए ग्लास हॉफ फुल: द प्रॉमिस ऑफ रीजल ट्रेड इन साउथ एशिया' शीर्षक से सोमवार को जारी रिपोर्ट में लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया कि द्विपक्षीय व्यापार में प्रमुख बाधा प्रतिबंधित उत्पादों की वह सूची है, जो बहुत लंबी है। भारत और पाकिस्तान दोनों ने इसके अलावा संवेदनशील उत्पादों की ऐसी सूची रखी है, जिनमें शुल्क में किसी तरह की रियायत नहीं दी जाती।

केवल 138 उत्पादों का पाक की इजाजत

पाकिस्तान ने भारत से केवल 138 उत्पादों को वाघा सीमा से आयात की इजाजत दी है। दोनों देशों का मौजूदा कारोबार केवल दो अरब डॉलर का है। जबकि अधिकतर व्यापार संयुक्त अरब अमीरात अथवा तीसरे देश के रास्ते होता है, जिससे लागत बढ़ जाती है।

पाक की काली सूची लंबी

पाकिस्तान ने प्रतिबंधित उत्पादों की सूची (काली सूची) में कुल 936 उत्पादों को रखा है। यह दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के सभी देशों के आयातित विभिन्न प्रकार के उत्पादों की सूची का 17.9त्न है। इसके उलट भारत ने केवल 25 प्रकार के (0.5 प्रतिशत)उत्पाद को इस सूची में रखा है। इनमें भी शराब और हथियार प्रमुख हैं।

भारत के साथ सौतेला व्यवहार

भारत ने 1996 में ही पाकिस्तान को सबसे अधिक वरीयता वाले देश की मान्यता दे थी। जबकि पाकिस्तान ने अबतक भारत को यह दर्जा नहीं दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान ने 1209 उत्पादों की नकारात्मक सूची बनाई है, जिन्हें भारत से आयात नहीं किया जा सकता है।

नई दिल्ली के लिए आपार संभावनाएं

- 62 अरब डॉलर के स्तर पर भारत पड़ोसी देशों के साथ कारोबार को पहुंचा सकता है

- 19 अरब डॉलर का कारोबार ही भारत सार्क देशों के साथ फिलहाल कर रहा है

बाधाएं भी कई

- 13.6 फीसदी औसत शुल्क उत्पादों पर लगता, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 6.3 फीसदी

- 39 फीसदी भारतीय मूल्य संवर्धित उत्पाद पड़ोसी देशों की संवेदनशील सूची में शामिल

- परिवहन, सीमा शुल्क आदि में अन्य मुक्त व्यापार क्षेत्रों के मुकाबले साफ्टा में अधिक

वैज्ञानिकों ने बताया दुनिया के सबसे बड़े 'पक्षी' का नाम, हो चुका है विलुप्त

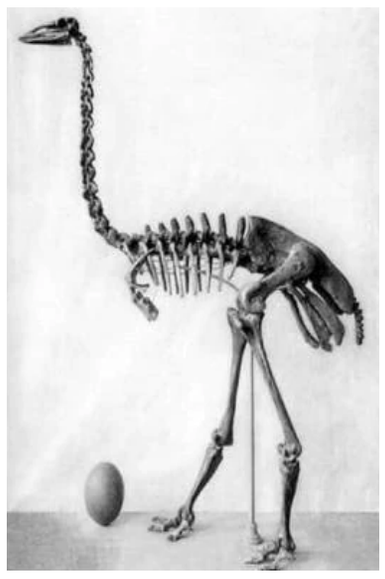

एजेंसी,पेरिस। लगभग 100 साल बाद वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे बड़े पक्षी की पहेली को हल कर लिया है। वैज्ञानिकों ने बताया कि एक हजार साल पहले ये हाथी पक्षी विलुप्त हो गया था, लेकिन विलुप्त होने से पहले एप्योरोनिस मैक्सिमस (Aepyornis ma&imus) नामक भारी-भरकम हाथी पक्षी 6 करोड़ साल तक मेडागास्कर के सवाना और जंगलों में रहा करता था। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने बुधवार को जारी अध्ययन में बताया कि हाथी पक्षी की यह प्रजाति 19वीं शताब्दी में मिली प्रजाति से बड़ी है। एप्योरोनिस के मिले अवशेषों से अनुमान लगाया गया है कि इसका वजन करीब 860 किलोग्राम रहा होगा जो कि एक व्यस्क जिराफ के वजन के बराबर है। अध्ययन के प्रमुख लेखक जेम्स हैंसफोर्ड (जूलोजिकल सोसाइटी ऑफ लंदन) ने इस पक्षी की लंबाई लोगों के सामने एक टॉवर जैसी होती। हालांकि, भारी-भरकम शरीर के होने की वजह से इनका उड़ पाना असंभव होता होगा। अभी तक 1894 में ब्रिटिश वैज्ञानिक सीडब्ल्यू एंड्रयू द्वारा खोजी गई एप्योरोनिस टाइटन को सबसे बड़ा हाथी पक्षी माना जाता था। हालांकि, उनके समकालीन फ्रेंच वैज्ञानिक ने उनके इस अध्ययन को खारिज कर कहा था कि, यह प्रजाति हाथी पक्षी के बजाय कोई और है जिसका नाम Vorombe titan है। इस पक्षी का वजन 650 किलोग्राम और लंबाई 10 फुट अनुमानित की गई थी। एप्योरोनिस मैक्सिमस को न्यूजीलैंड के विलुप्त पक्षी मोआ की प्रजाति का बताया गया है। मोआ उड़ने में असमर्थ पक्षियों की प्रजाति से था, जैसे कि वर्तमान में आप कीवी, ईमू और शुतुरमुर्ग को पाते हैं।

जल्द ही ट्रंप उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि निकट भविष्य में वह उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन के साथ दूसरी शिखर बैठक करेंगे। दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक जून में सिंगापुर में हुई थी।

न्यूयॉर्क में चल रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र से इतर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेइ-इन से मुलाकात के बाद ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं जल्दी ही चेयरमैन किम से मिलूंगा। जगह और समय तय करने पर चर्चा चल रही है, हम उसकी घोषणा करेंगे।

बाद में व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेताओं ने ट्रंप और किम के बीच दूसरे शिखर सम्मेलन की योजना पर चर्चा की और भविष्य में साथ मिलकर काम करने पर राजी हुए। व्हाइट हाउस ने कहा कि मून ने हाल ही में संपन्न हुए अंतर-कोरियाई शिखर सम्मेलन में हुई बातचीत और उसमें लिए गए फैसलों से ट्रंप को अवगत कराया।

गौरतलब है कि इसी बैठक में किम ने अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों की मौजूदगी में अपने मिसाइल परीक्षण केन्द्र को बंद करने की बात कही थी। बयान के अनुसार, ट्रंप ने उत्तर कोरिया के साथ तीसरी सफल शिखर बैठक के लिए राष्ट्रपति मून की प्रशंसा की।

भारत से बातचीत की पहल करने पर अपने ही देश में घिरे इमरान खान

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के विपक्षी सांसदों ने संसद को विश्वास में लिये बगैर आतंकवाद और कश्मीर समेत अहम मुद्दों पर भारत से फिर से बातचीत की पेशकश करने पर प्रधानमंत्री इमरान खान की आलोचना की है। मंगलवार को मीडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। संसद के उपरी सदन सीनेट की सोमवार की शाम को बैठक हुई। उसमें भारत से वार्ता बहाल करने की सरकार की कोशिशों समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। पिछले महीने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने पूर्व क्रिकेटर इमरान खान ने 14 तारीख को एक पत्र लिखकर इस महीने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के मौके पर विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और उनकी भारतीय समकक्ष सुषमा स्वराज के बीच भेंटवार्ता का प्रस्ताव रखा था। खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अगस्त के पत्र के जवाब में यह पत्र लिखा था। मोदी ने अपने पत्र में पाकिस्तान के साथ सार्थक और रचनात्मक संवाद की दिशा में बढ़ने की कटिबद्धता प्रदर्शित की थी।

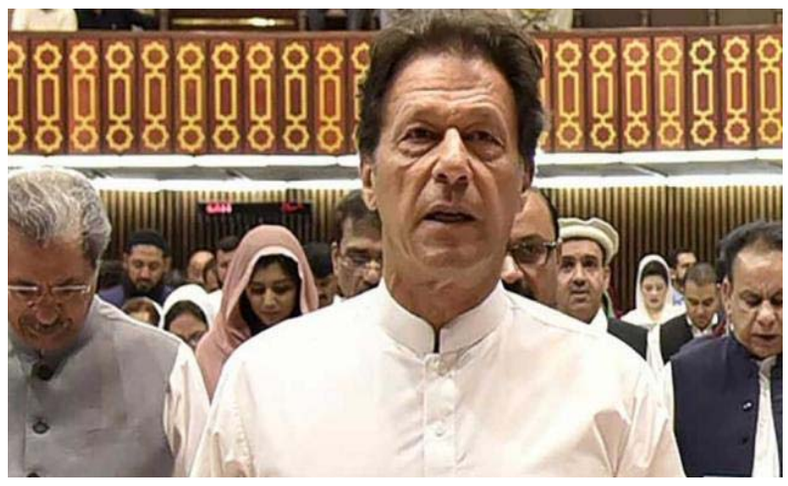

आतंकवाद मुक्त दक्षिण एशिया के लिए काम करने की आवश्यकता पर बल दिया था। पाकिस्तानी सीनेट के पूर्व सभापति और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता मियां रजा रब्बानी ने कहा कि खान की भारत के साथ वार्ता की पेशकश कश्मीर की स्थिति के मद्देनजर समझ से परे है। मोदी का पत्र तो प्रतीकात्मक था जबकि उसके जवाब में लिखे गये पत्र में वार्ता की पेशकश कर दी गयी। उन्होंने खान के पत्र की इस भाषा पर भी एतराज किया कि पाकिस्तान आतंकवाद पर चर्चा के लिए तैयार है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज्ल के सीनेटर अब्दुल गफूर हैदरी ने सवाल किया कि कैसे कोई एक व्यक्ति भारत के साथ वार्ता की पेशकश कर सकता है। उन्होंने संसद को विश्वास में नहीं लेने पर खान की आलोचना की सरकार की ओर से सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सफाई दी कि खान ने उन्हें मिले पत्र का जवाब दिया था। पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के अहम मुद्दे समेत भारत के साथ सभी विवादों का हल चाहता है।

जल्द ही ट्रंप उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन से करेंगे मुलाकात

उन्होंने कहा, दोनों देश 70 सालों से लड़ते आ रहे हैं और अगर भारत चाहेगा तो हम अगले 70 साल भी लड़ाई जारी रख सकते हैं। लेकिन अगर परमाणु युद्ध छिड़ गया तो पूरा उपमहाद्वीप तबाह हो जाएगा।

घड़ियाल की पीठ पर फंस गई नाव और फिर हुआ कुछ ऐसा

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मे एक वीडियो वायरल हो रहा है जो किसी डरावने सपने से कम नहीं है। यह वीडियो अगर आप भी देखेंगे तो आप भी भयभीत हो जाएंगे। फ्लोरिडा में एक केनोई (छोड़ी सकरी नाव) पानी में किसी चीज से टकराकर फंस गई। जब नाव में बैठे शख्स ने नीचे देखा तो तो उसे एक बहुत बड़ा घड़ियाल दिखाई दिया। इस वाडियो को सी थ्रू केनोई कंपनी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

तीन साल की तृष्णा नेपाल की नई 'कुमारी देवी'

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में एक अनोखी परंपरा के तहत तीन साल की तृष्णा शाक्य को अगली 'कुमारी देवी' चुना गया है।

कुमारी देवी बनने के बाद तृष्णा मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से लोगों के बीच आईं।

उनके दर्शन करने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे और उनकी इंद्र जात्रा के दौरान उनकी पालकी निकाली गई। नेपाली परंपरा के तहत कुमारी देवी तृष्णा को अब अपने घर परिवार से दूर देवी के रूप में एक विशेष महल में रहना होगा।

चयन ऐसे: जन्म कुंडली में 32 गुण जरूरी

नेपाली परंपराओं के तहत शाक्य या वज्रचार्य जाति की बच्चियों को कुमारी देवी चुना जाता है।

इस जाति की बच्चियों को तीन वर्ष का होते ही परिवार से अलग कर दिया जाता है और उन्हें कुमारी नाम दे दिया जाता है। इनकी जन्म कुंडली को देख कर तय संयोग मिलाए जाते हैं। कुमारी देवी में 32 गुण मिलने चाहिए।

इसके बाद इन बच्चियों के सामने कटे भैंसे का सिर रखा जाता है और पुरुष डरावने मुखौटे लगाकार इनके समक्ष नाचते हैं।

ऐसे में जो बालिका इन सब से डरती नहीं उसे मां काली का रूप मानकर कुमारी देवी चुना जाता है।

शरीर से खून की बूंद भी निकली तो पद छोड़ना होता है

कुमारी देवी को मूल रूप से किशोरावस्था शुरू होते ही पद छोड़ना होता है। साथ ही अगर किसी चोट या जख्म की वजह से इनके शरीर से खून निकलने पर भी कुमारी देवी को पद छोड़ना होता है।

आजीवन नहीं होती शादी

कुमारी देवी की पदवी से हटने के बाद उन्हें आजीवन पेंशन तो मिलती है लेकिन उनकी शादी नहीं होती है। नेपाल में ऐसी मान्यता हे कि जो भी पुरुष पूर्व कुमारी देवी से विवाह करता है उसकी मृत्यु कम उम्र में हो जाती है।

85 साल के बुजुर्ग ने 24 घंटे लगातार दौड़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। जब खेल और भाग-दौड़ की बात आती हैं तो सभी को लगता है कि ये युवाओं के हिस्से का क्षेत्र है।

जहां 30 की उम्र पार करने के बाद खुद को खेलों के लिए अनफिट करार दे दिया जाता है, वहीं एक 85 साल के बुजुर्ग ने ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है। जो किसी नौजवान के लिए भी पसीना छुड़ा देने वाली बात होगी।

एक अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट के मुताबिक, साउथ लंदन में हिनक्ले रनिंग क्लब के जैफ ओलिवर ने टूटिंग स्पर्धा में 24 घंटे में 124 किमी (77 माइल) लगातार दौड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने वार्षिक टूटिंग 24 रेस में अपनी उम्र के वर्ग का नया रिकॉर्ड बनाया।

इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की सबसे खास बात ये रही कि उन्होंने ये दौड़ बारिश के दौरान बनाया। इस वीडियो को एक अंग्रेजी रिपोर्टर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया।

तीन साल की तृष्णा नेपाल की नई 'कुमारी देवी'

एक स्पोर्ट वेबसाइट के मुताबिक ओलिवर ने 50 की उम्र पार करने के बाद प्रतियोगी दौड़ में हिस्सा लेना शुरू किया।

जिसके बाद उन्होंने 65 वर्ष की उम्र में अपना पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। ट्विटर पर इस वीडियो 6 हजार से ज्यादा बार लाइक और 800 से ज्यादा रिट्वीट किया गया है।

अमेरिका के एयरपोर्ट पर होते-होते बची दो विमानों में टक्कर

नई दिल्ली। अमेरिका में कैलिफोर्निया के सेन फांसिस्को एयरपोर्ट का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक विमान रनवे पर खड़े दूसरे विमान से चंद फीट की दूरी से उड़ान भरता नजर आ रहा है। ये वीडियो दरअसल पिछले साल का है जो फेडरल सेफ्टी अधिकारियों के आरोपों के बाद प्रकाश में आया है। फेडरल सुरक्षा अधिकारियों ने दो एयर कनाडा पायलटों पर आरोप लगाया है कि वह पिछले साल अपने जेटलाइनर विमान को जमीन पर खड़े विमान से महज 10 से 20 फीट की दूरी पर ले आए थे।

सूरत। प्रगति युवक मंडल की तरफ से प्रगति विद्यालय प्राथमिक स्कुल की सिल्वर ज्युबिली के अवसर पर सांसद सी.आर. पाटील ने स्कुल को 51 हजार रुपए भेट दिए।

पांडेसरा में देशी तमंचा के साथ एक गिरफ्तार

सूरत। पांडेसरा इलाके स्थित तेरेनाम चौराहे निकट से गत शाम को पुलिस ने युवक को देशी तमंचा के साथ गिर तार किया।

पांडेसरा पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर पांडेसरा तेरेनाम चौराहे के पास से बाइक पर जा रहे आशिषनगर, बमरोली रोड निवासी गुड्डू उर्फ गुलाब खत्री रामकरण पांडे को गिर तार कर लिया। गुड्डूकी तलाशी करने पर देशी हाथ बनावट का तमंचा मिला। जिससे पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया गया।

सूरत। खेल महाकुंभ खो-खो 2018 का भव्य आयोजन गजेजरा विद्यालय सचिन में हुआ।

कपड़ा मार्केट के व्यापारी ने की लाखों की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंग रोड अभिनंदन मार्केट के व्यापारी ने उधार में 16.27 लाख रूपए का माल खरीदी कर पेमेंट नहीं चुकाकर धोखाधडी करने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों के अनुसार पार्ले प्वॉइन्ट प्लेटिनियम रेसीडेन्सी निवासी मनीष महेन्द्र शाह कपड़ा व्यापारी है। उनके पास से गत 13 अगस्त को रिंग रोड अभिनंदन मार्केट में विनायक क्रिएशन के नाम से व्यवसाय करनेवाले नरेश राजेन्द्र कुमार ने दलाल के माध्यम से 16,27,783 रूपए का ग्रे-कपड़े का माल खरीदा था। माल का पेमेन्ट मनीष द्वारा बारंबार मांगने के बावजूद नहीं चुकाकर ठगी की। आखिरकार मनीष ने गतरोज पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवायी। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

मोबाइल दुकान से 43 हजार की चोरी

सूरत। कापोद्रा इलाके स्थित मोबाइल दुकान का कांच तोड़कर अंदर घुसे दो अज्ञातों ने काउन्टर से नगद 16 हजार और तीन मोबाइल समेत 43734 रूपए का सामान चोरी कर फरार हो गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पुणागाम के दानगीगेव सोसायटी निवासी प्रिजेश हि मत मकवाणा की कापोद्रा के क्रिस्टल प्लाजा में ग्राउण्ड यश नामक मोबाइल की दुकान हैं। सोमवार रात को दो अज्ञातों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और काउन्टर से नगद 16000 और इन्टेक्स कंपनी के 3 मोबाइल समेत 43734 रूपए के सामान की चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने प्रिजेश मकवाणा की शिकायत दर्ज कर सीसीफुटेज के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

जश टेक्सटाइल मार्केट में पैसेज से हजारों का पार्सल चोरी

सूरत। रिंग रोड स्थित जश टेक्सटाइल मार्केट के पैसेज के बाहर रखे 90 हजार रूपए की साड़ी पार्सल अज्ञात श स चोरी कर फरार हो गए। वराछा रोड हरीशनगर सोसायटी निवासी मयुर देवशी गोंडलिया रिंग रोड जश मार्केट में साड़ी की दुकान चलाते हैं। इस दौरान गत शाम के चार बजे से 25 सित बर को शाम 6 बजे के दौरान चार अज्ञातों ने दुकान के बाहर पैसेज से 90,000 रूपए के साड़ी का पार्सल चोरी कर फरार हो गए।

वराछा में महिला का जुआ का क्लब पकड़ा

सूरत। वराछा इलाके में महिला की जुए के क्लब पर छापेमारी कर दस महिला को जुआ खेलते गिर तार किया।

वराछा पुलिस सूत्रों के अनुसार पूर्व सूचना के आधार पर वराछा राजलक्ष्मीनगर सोसायटी में मकान नं. 453 में मारकर विक्रमनगर सोसायटी, वराछा निवासी जमकुबेन जेराम मकवाणा , बापु सीताराम सोसायटी, वराछा निवासी कनकबेन नरेश विराणी ,हरेकृष्णा एपार्टमेन्ट, वेलेंज निवासी रंजनबेन परेश गजेरा , कुबेरनगर सोसायटी, वराछा निवासी वर्षाबेन कानजी कोंजलिया, दीपिकाबेन देवराज राठौड़ , भावनाबेन भावेश जावियानी और सीतानगर, पुणागाम निवासी मंजुबेन गोरधन राधवजी मांकडिया को जुआ खेलते रंगेहाथ गिर तार किया गया। पुलिस ने महिलाओं के पास से 50 हजार का मुद्दामाल जब्त कर आगे की जांच कर रही है।

सूरत। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विद्यार्थी पांख और अेस,यु.आई, समर्थित उम्मीदवार और कांग्रेस के म्युनिसिपल कोर्पोरेटर भावेशभाई रबारी ने वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी में सिन्डिकेट चुनाव में विजयी हुए।

जनतावादी कोंग्रेस पार्टी ओल इन्डीया में इलेक्शन में मेदान में उतर रही है। जनतावादी कोंग्रेस पार्टी फिल्हाल में पुरे भारत भारत में शानदार सफलता हंसील कर रही है। आज महिला के सन्मान और लाचार महिलाओं के साथ कोई भी पार्टी खडी नही रही है। जनतावादी कोंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामदेवसिंह जुंजीयाने अखबार यादी में बताया के आज जो भी सफलता मिली है वो केवल अच्छे कामो की वजह से मिली है। आज जनतावादी कोंग्रेस पार्टी इन्डीया की तीसरे नंबर की पार्टी बन गयी है। जो भी राज्य से इलेक्शन में कोई भी उमेदवार उतरना चाहता है या जनतावादी कोंग्रेस पार्टी में जुडना चाहता हो तो नं - ७६००६३१५७६ पर संपर्क करे। जनतावादी कोंग्रेस पार्टी महिलाओं को घर बैठे रोजगारी देगी एवमं विधवा बहनो को सिलाई मशीन भी वितरण करनेवाली है। सभी पार्टीया इलेक्शन से पहले कहती है कि हम वो करेंगे, वो सहाय देंगे लेकिन इलेक्शन के बाद कोइ भी पार्टी महिलाओ को रोजगार नही दे पा रही है। हम लोग २०१९ के इलेक्शन के पहले महिलाओ को रोजगार देंगे। जनतावादी कोंग्रेस पार्टी आज की तारीख में गुजरात में दुसरे नंबर पर आ गयी है। आज कोंग्रेस पार्टी को भी पीछे छोड दीया है। आज गुजरात प्रदेश अध्यक्ष तारकभाई परमार एवमं गुजरात की महिला अध्यक्ष श्री गीराबेन परमार की महेनत से गुजरात में जनतावादी कोंग्रेस पार्टी दुसरे नंबर की पार्टी बन गयी है। जनतावादी कोंग्रेस पार्टी जो बोलती है वो करती है। आज ओल इन्डीया में जनतावादी कोंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामदेवसिंह जुंजीया को बहेतरीन युवा नेता के तोर पर माना जाता है। आज रामदेवसिंह जुंजीया युवाओ की धडकन बन गये है।

४५३ शेर स्वस्थ्य हालत में : ७ शेरों में सामान्य चोट

शेरों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए गहन जांच अभियान

गीर संरक्षित, गीर बाहर के १७४० चौ.कि.मी. क्षेत्र की जांच पूरी : जांच के दौरान ४६० शेर देखने को मिले

गांधीनगर । गीर पूर्व धारी क्षेत्र के दलखानिया रेन्ज में ७ बालशेर सहित कुल १४ शेरों के टेरीटोरियल इनफाइटिंग, इन्फेक्शन तथा चोट की वजह से मौत हुई थी । इस घटना को राज्य सरकार ने संवेदनशीलता से लेकर शेरों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए २३ सितम्बर से सावधानी के तहत राज्य के वन विभाग द्वारा गहन जांच अभियान शुरू किया है। इस दौरान १०४५ चौ.कि.मी. गीर संरक्षित क्षेत्र और ६९५ चौ.कि.मी. गीर बाहर का क्षेत्र मिलाकर कुल १७४० चौ. कि.मी. क्षेत्र की जांच पूरी की गई है यह राज्य के वन्य प्राणी, मुख्य वन संरक्षक की सूची में बताया गया है।

सूची में और बताये अनुसार यह जांच के दौरान अभी तक में ४६० शेर देखने को मिले है । इसमें से ४५३ शेर स्वस्थ्य और स्वस्थ हालत में देखने को मिले हैं, जबकि ७ शेरों में सामान्य चोटें देखने को मिली है। बुधवार को दोपहर में १२ बजे तक में वन विभाग की १४० टीम के फॉरेस्ट गार्ड, फॉरेस्टर, ट्रैकर मिलाकर कुल ५८५ कर्मचारी द्वारा गीर पूर्व और गीर पश्चिम वन विभाग हस्तक के गीर राष्ट्रीय उद्यान, गीर अभ्यारण्य तथा इसे संलग्न क्षेत्र में से करीब ९५४ चौ.कि.मी. क्षेत्र की जांच पूरी कर ली गई है, जिसमें ५५४ चौ.कि.मी. गीर संरक्षित क्षेत्र और ४०० चौ. कि.मी. गीर बाहर के क्षेत्र शामिल है । यह जांच के दौरान २९६ शेर देखने को मिले हैं । जिसमें से सिर्फ ३ शेरों में सामान्य चोटें देखने को मिली है जबकि बाकी के २९३ शेर स्वस्थ्य हालत में देखने को मिला है। गीर राष्ट्रीय उद्यान और गीर अभ्यारण्य के संलग्न क्षेत्र में सामान्य चोट वाले २ शेर को स्थल पर ही उपचार करके स्थल पर ही मुक्त किया गया है । जबकि भावनगर के रेवन्यु क्षेत्र में से सामान्य चोटें वाले १ शेर को रेस्क्यू सेन्टर में लाया गया है।

दलखानिया रेन्ज के सरसीया वीडी के जिस क्षेत्र में १४ शेर की मौत की घटना हुई थी । वहां से ३ शेर, ३ शेरनी और १ शेरबाल यह कुल ७ शेर को पकड़ा गया है। यह पकड़े गये सभी ७ शेर अच्छी और स्वस्थ्य हालत में दिखाई दिए हैं।

कच्छ के १०, बनासकांठा के ४ तहसील शामिल

राज्य के १४ तहसीलों को सूखा घोषित किया गया

जिस तहसील में १२५ एमएम से कम बारिश हुई है यह तहसील को सरकार द्वारा सूखा घोषित किया गया है

गांधीनगर । राज्य में बारिश कम होने की वजह से किसानों में चिंता है। राज्य सरकार ने सूखा क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी लेने के लिए बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई । यह बैठक बाद राज्य के राजस्व मंत्री कौशिक पटेल ने मीडिया के साथ बात की । उन्होंने बताया है कि, राज्य के कुल १४ तहसीलों को सूखा घोषित किया गया है । जिसमें कच्छ के १० और बनासकांठा के ४ तहसील शामिल है।

राज्य के जिस तहसील में १२५ एमएम से कम बारिश हुई है ऐसे तहसीलों को सूखा घोषित किया गया है। कौशिक पटेल ने बताया है कि, राज्य में बारिश कम होने की वजह से सूखा की स्थिति का निर्माण हुआ है। राज्य में कच्छ, अहमदाबाद के मांडल और पाटण के चाणस्मा को सूखा घोषित किया गया है। बनासकांठा के चार तहसील को भी सूखा घोषित किया गया है । यह सभी तहसील १ अक्टूबर से सूखा घोषित किया गया है। इसके साथ राजस्व मंत्री ने कहा है कि, हर बुधवार को होनेवाली कैबिनेट की बैठक बाद कमी बैठक होगी। इसमें सभी मामले पर चर्चा की जाएगी । बुधवार को यह बैठक आयोजित की गई इसमें घासचारा के मामले में चर्चा की गई थी। संबंधित क्षेत्र में घासचारा की कमी होगी वहां घासचारा उपलब्ध करायी जाएगी । इसके साथ उन्होंने कहा है कि, जो लोग बांध में से पानी चोरी करेंगे इसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। कौशिक पटेल ने बताया है कि, जहां-जहां कम बारिश हुई है वहां सहायता दी जाएगी। हर बुधवार को सूखा क्षेत्र की समीक्षा की जाएगी। सूखा क्षेत्रों में घास की समस्या नहीं हो इसके लिए कदम उठाये जाएंगे।

नवरात्री को अब कुछ ही दिन बाकी रहे है तब तैयारियां शुरू हो चुकी है। माता के दीए बनाने के लिए काम शुरू हो गया है।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

राजकोट में डेकोरा, स्वागत और लाडाणी ग्रुप के वहां छापेमारी

अहमदाबाद। राजकोट शहर में बुधवार को आयकर विभाग के अधिकारी डेकोरा ग्रुप, स्वागत ग्रुप और लाडाणी ग्रुप पर कार्रवाई की गई और उनके ऑफिस, निवास स्थानों सहित के स्थलों पर छापेमारी कर कार्रवाई की गई। जिसमें आईटी विभाग ने पहले राउन्ड में ही तीन करोड़ की नकद रकम जब्त करने पर राज्यभर में सनसनी मच गई। आईटी विभाग ने डेकोरा ग्रुप, स्वागत ग्रुप और लाडाणी ग्रुप के वहां से कई जमीन के दस्तावेज और आपत्तिजनक दस्तावेजों-कागजों को जब्त किया गया। आईटी विभाग की इस कार्रवाई में अब करोड़ों का काला धन बाहर आने की संभावना रही है।

दूसरी तरफ, राजकोट शहर के लोकप्रिय बिल्डरों, फाईनेन्सरों के वहां भी आईटी विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी कर कार्रवाई की गई। जिसकी वजह से बुधवार को राजकोट शहर में आईटी छापेमारी और कार्रवाई टोक ऑफ ध टाउन मुद्दा बन रहा है । आईटी विभाग की छापेमारी में डेकोर ग्रुप के जमनभाई पटेल और उनके पुत्र निखिल पटेल के वहां छापेमारी की गई जमन पटेल की भागीदार कुलदीप राठोड के घर भी छापेमारी की कार्रवाई की गई थी। इसी प्रकार से धीरूभाई नकद, पुत्र चेतन नकद, गोपाल चुडासमा के छापेमारी कर कार्रवाई की गई। छगनभाई पटेल के घर भी आईटी विभाग द्वारा जांच शुरू की गई थी। यूथ कांग्रेस के प्रमुख के भाई कुलदीप राठोड के घर भी छापेमारी करने पर सनसनी मच गई। शहर में सुबह से ही आईटी विभाग के १३२ अधिकारी की ४८ टीम द्वारा मेगा ऑपरेशन शुरू किया गया। कुल ४४ जगहों पर की गई छापेमारी में २६ स्थल पर छापेमारी और १८ स्थल पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। उल्लेखनीय है कि, यह सर्च एंड सर्वे के कामकाज में १०० से ज्यादा अधिकारी शामिल हुए। डेकोर ग्रुप के सभी भागीदारों के वहां आईटी विभाग ने जांच शुरू की है। जिसमें लोकप्रिय बिल्डर और क्लासिक कन्स्ट्रक्शन के मालिक स्मित कनेरिया के वहां छापेमारी की गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com